

SET-A

Unique Paper Code: **12311504**

Name of the Paper: **History of India VII (c. 1600-1750) NC**

Name of the Course: **B. A. (Hons) History**

Semester: **V**

Duration: **3 Hours**

Maximum Marks: **75**

Note: Answer may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the Paper.

टिप्पणी: इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी अथवा हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए |

Attempt any **three** questions

किन्ही **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये

All questions carry equal marks

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं

1. Historiographical presentation of Jahangir as a ruler so far has been unjust. Discuss with reference to recent interpretations of *Jahangirnama*.
एक शासक के रूप में जहाँगीर के अब तक का ऐतिहासिक प्रस्तुतीकरण अन्यायपूर्ण रहा है | जहाँगीरनामा के हाल के व्याख्यायों के सन्दर्भ में उल्लेख कीजिये |
2. Critically analyse the social, ideological and political factors for the rise of Marathas under Shiva Ji.
शिवाजी के अधीन मराठों के उत्कर्ष के सामाजिक, वैचारिक एवं राजनैतिक कारणों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये |
3. Aurangzeb was an orthodox but not a bigoted ruler. Examine this statement with reference to recent writings on his policies towards Jaziya, temple and music.
औरंगजेब रुढ़िवादी था पर कट्टर शासक नहीं | उसकी जज़िया, मंदिर और संगीत के प्रति नीति से सम्बंधित हाल के लेखों के सन्दर्भ में इस वक्तव्य का परीक्षण कीजिये|

4. Highlight the symbolism and allegory embedded in the Mughal paintings of the reigns of Jahangir and Shah Jahan.
जहाँगीर और शाहजहाँ के शासनकाल की मुग़ल चित्रकलाओं में निहित प्रतीकवाद और दृष्टान्तकथा पर प्रकाश डालिये।
5. Describe the activities of the European companies in the Indian Ocean trade in the 17th century. What was its impact on the Indian economy?
सत्रहवीं शताब्दी के हिन्द महासागरीय व्यापार में यूरोपीय कंपनियों की गतिविधियों की विवेचना कीजिये | भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका क्या प्रभाव पड़ा ?
6. In the light of recent researches, analyse the notions of “Dark Age” and “Economic Prosperity” related to the first half of 18th century in India.
हाल के शोधों के प्रकाश में, अठारहवीं शताब्दी के पूर्वार्ध में भारत से सम्बंधित “अन्धकार युग” एवं “आर्थिक समृद्धि” जैसी अवधारणाओं का विश्लेषण कीजिये |